देश का 52वाँ टाइगर रज़िर्व बना रामगढ़ वषिधारी अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

16 मई, 2022 को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि राजस्थान के बूंदी ज़िले में स्थति रामगढ़ वषिधारी अभयारण्य को देश का 52वाँ टाइगर रज़िर्व घोषति कयि जाने की अधसिूचना जारी कर दी गई है।

प्रमुख बदिु

- अधसिूचना के बाद रामगढ़ वषिधारी अभयारण्य राजस्थान का चौथा टाइगर रज़िर्व बन गया है। मौजूदा समय में राजस्थान में रणथंभौर, सरस्कि और मुकुंदरा हलि्स टाइगर रज़िर्व हैं।
- गौरतलब है कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण **(NTCA)** द्वारा वन्यजीव (संरक्षण) अधनियिम, 1972 की धारा 38 के प्रावधान के अंतर्गत 5 जुलाई, 2021 को रामगढ़ वषिधारी वन्यजीव अभयारण्य व नकिटवर्ती क्षेत्रों को टाइगर रज़िर्व बनाए जाने की सैद्धांतकि स्वीकृति प्रदान की गई थी।
- एनटीसीए द्वारा प्रदान की गई, स्वीकृति के क्रम में राज्य सरकार द्वारा रामगढ़ वषिधारी टाइगर रज़िर्व के क्रटिकिल टाइगर हैबीटैट (कोर) एवं बफर क्षेत्र के नर्धािरण हेतु वशिषज्ञ समति का गठन कयि गया।
- इस समति द्वारा रामगढ़ वषिधारी टाइगर रज़िर्व, ज़िला बूंदी के कोर तथा बफर क्षेत्र के नर्धािरण हेतु 24 जनवरी, 2022 को राज्य सरकार को रपोिर्ट प्रस्तुत की गई।
- उल्लेखनीय है कि नए अधसिूचति रामगढ़ वषिधारी टाइगर रज़िर्व में पूर्वोत्तर में रणथंभौर टाइगर रज़िर्व और दक्षणि की तरफ मुकुंदरा हलि्स टाइगर रज़िर्व के बीच बाघों का अधविास शामलि है।
- राजस्थान सरकार ने इसे 20 मई, 1982 को राजस्थान वन्य प्राणी और पक्षी संरक्षण अधनियिम, 1951 की धारा 5 के अंतर्गत अभयारण्य घोषति कयि था।
- यह अभयारण्य बाघ संरक्षण के अलावा पारस्थितिकी तंत्र के साथ-साथ पुष्प प्रजातयिों के लयि भी खासा प्रसद्धि है। अभयारण्य में भारतीय भेड़यि, तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा, चीतल, सांभर, सुस्त भालू, गोल्डन जैकल, चकिारा, नीलगाय, लोमड़ी, जंगली बलि्लयिाँ, लंगूर, सांप, मगरमच्छ सहति 500 प्रकार के वन्यजीव मौजूद हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ramgarh-vishdhari-sanctuary-becomes-country-s-52nd-tiger-reserve